International Journal of Home Science 2020; 6(1): 266-268

International Journal of Home Science

ISSN: 2395-7476
IJHS 2020; 6(1): 266-268
© 2020 IJHS
www.homesciencejournal.com
Received: 04-11-2019
Accepted: 08-12-2019

अलका गुप्ता
असिस्टेंट टीचर, वैदिक विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, हरदोई, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
अलका गुप्ता
असिस्टेंट टीचर, वैदिक विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, हरदोई, उत्तर प्रदेश, भारत |

गर्भावस्था में रोग प्रतिरक्षाकरण के बारे में महिलाओं में जागरूकता, जानकारी एवं अभ्यास स्तर

अलका गुप्ता

सारांश
रोग प्रतिरक्षाकरण कार्यक्रम जन सामान्य के स्वास्थ्य के लिए बहुत आवश्यक है | गर्भावस्था के दौरान टीके लगवाना न केवल गर्भवती महिला के लिए महत्वपूर्ण होता हैं, अपितु यह गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए भी सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता हैं | रोग प्रतिरक्षाकरण को टीकाकरण भी कहते है | टीकाकरण द्वारा उत्पन्न रोग प्रतिरोधक क्षमता ही गर्भवती एवं गर्भस्थ शिशु की कई तरह की गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है | प्रस्तुत शोध पत्र महिलाओं में गर्भावस्था में लगने वाले टीकाकरण के प्रति जागरूकता, जानकारी एवं अभ्यास स्तर जानने के लिए किया गया है | अध्ययन में उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के चयनित छः मोहल्लों में से 150 महिलाओं का चयन किया गया है | इसमें व्यक्तिगत साक्षात्कार विधि द्वारा आंकड़ों का एकत्रीकरण किया गया है | तथा सांख्यिकीय उपकरण प्रतिशतता द्वारा परिणाम विश्लेषण किया गया है | अध्ययन की कुछ सीमाओं के साथ साथ आगामी रिसर्च विषयों हेतु सुझाव भी दिए गये हैं | इस शोध पत्र में यह पाया गया है कि महिलाओं में गर्भावस्था में लगने वाले टीकाकरण का अभ्यास स्तर अधिक है, किन्तु उनमें टीकाकरण के महत्त्व एवं टीका लगवाने के सही समय के बारे में जागरूकता एवं जानकारी की कमी है |

कूट शब्द: गर्भावस्था, रोग प्रतिरक्षाकरण, टीकाकरण, टी.टी.

प्रस्तावना
प्रतिरक्षाकरण स्वस्थ जन सामान्य के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है | हमारे शरीर में जन्म से ही प्रतिरक्षा तंत्र होता है, जो शरीर को रोगों से बचाता है | किन्तु यह प्रतिरक्षण क्षमता किसी में अधिक तो किसी में कम होती है | एक छोटा सा वायरस शरीर को संक्रमित कर जीवन भर के लिए अपंग कर सकता है अथवा जीवन समाप्त भी कर सकता है | अतः भारत जैसे विकासशील देश में जानलेवा बीमारियों से बचाव हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (U.I.P.), टिटनस टीकाकरण कार्यक्रम, मिशन इन्द्रधनुष 2.0, मिशन किलकारी, तथा पल्स पोलियो कार्यक्रम के माध्यम से शिशुओं, बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कई टीके प्रदान कर स्वस्थ जीवन बनाने का प्रयास किया जा रहा है |

टीकाकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमे किसी बीमारी के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता (IMMUNITY) शरीर के लिए खिलायी या पिलायी जाती है | गर्भावस्था की अवधि में महिलाओं के शरीर में विभिन्न प्रकार के बदलाव होते हैं | इस समय उनका शरीर संक्रामक रोगों के प्रति संवेदन शील हो जाता है | ऐसी अवस्था में गर्भिणी एवं गर्भस्थ शिशु की रक्षा के लिए केवल पौष्टिक भोजन और व्यायाम ही पर्याप्त नही होता, बल्कि टीकाकरण / प्रतिरक्षाकरण करवाना बेहद जरुरी है | क्योंकि टीकाकरण से गर्भवती के शरीर में रोगों से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनते है, जो गर्भ में पल रहे शिशु द्वारा ग्रहण कर लिए जाते हैं, जिससे बच्चा जन्म से ही रोग प्रतिरोधक क्षमता लेकर पैदा होता है तथा गर्भवती महिलाएं भी स्वस्थ प्रसव द्वारा स्वस्थ शिशु को जन्म देने में सक्षम बनती हैं |

तालिका 1: गर्भवती महिला को निम्नलिखित टीके लगाये जाते हैं-

क्र० सं०	टीका (वैक्सीन)	अवधि	मात्रा	कहाँ लगाया जाता है
1.	टी.टी.-1	गर्भावस्था के प्रारंभिक दिनों में	0.5ml	बांह के ऊपर
2.	टी.टी.-2	टी.टी.-1 के 4 सप्ताह बाद	0.5ml	बांह के ऊपर
3.	बूस्टर खुराक	यदि पहले 2 टीके लग चुके हैं तो वर्तमान में केवल बूस्टर खुराक दिया जायेगा	0.5ml	बांह के ऊपर

उपर्युक्त टीके प्रत्येक गर्भवती एवं गर्भस्थ शिशु की रक्षा हेतु लगाये जाते हैं | इसके अतिरिक्त हेपेटाईटिस-ए, हेपेटाईटिस–बी, फ्लू, डी.टी.पी., एम्.एम् आर., चेचक, न्युमोकोकस, आदि के टीके भी आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सक के निर्देशन में लगाये जाते हैं | गर्भावस्था में गर्भवती महिला एवं गर्भस्थ शिशु की रक्षा हेतु रोग प्रतिरक्षाकरण/टीकाकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए | यद्यपि, सर्विस प्रोवाइडर, आशा, ए.एनम.,एवं चिकित्सालयों द्वारा टीकाकरण की अनुसूची एवं समयावधि की जानकारी दी जाती है | किन्तु फिर भी महिलाओं को यह समझ नही होती है कि उनके द्वारा टीकाकरण न करवाने से उनका व् उनके होने वाले बच्चे का जीवन खतरे में पड़ सकता है |

अध्ययन के उद्देश्य

1. महिलाओं में गर्भावस्था के टीकाकरण की स्थिति जानना |
2. महिलाओं में गर्भावस्था के टीकाकरण के बारे में जानकारी व् जागरूकता में वृद्धि करना |
3. महिलाओं को गर्भावस्था के टीकाकरण के प्रति अभ्यास हेतु प्रेरित करना |

अध्ययन की सीमाएं

1. प्रस्तुत अध्ययन एक लघु अवधि का शोध है, अतः यह कम समय एवं सुविधाओं में किया गया है |
2. इसमें व्यक्तिगत साक्षात्कार विधि का प्रयोग किया गया है, जिसकी अपनी ही सीमाएं होती है | वे सभी सीमाएं इस अध्ययन में भी निहित हैं |
3. इस अध्ययन में एक शोधार्थी की शारीरिक एवं आर्थिक सुविधाओं सम्बन्धी सीमायें भी निहित हैं |

अध्ययन विधि

यह अध्ययन उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में किया गया है | जिसमे 6 मोहल्लों खदरा, कन्थाथोक, नीर बहार, पूर्वी नघेटा, नई बस्ती, पिताम्बरगंज से 25-25 ऐसी महिलाओं का चयन किया गया है जो एक या एक से अधिक बार गर्भवती रह चुकी थीं | इस प्रकार कुल 150 महिलाओं को अध्ययन हेतु चयनित किया गया है | इसमें चर अचर को लिया गया है | आंकड़ों का एकत्रीकरण व्यक्तिगत साक्षात्कार अनुसूची द्वारा प्राथमिक स्त्रोत के अंतर्गत किया गया है तथा द्वितीयक स्त्रोत के अंतर्गत जिला अस्पताल हरदोई, जिला पुस्तकालय हरदोई, एवं इन्टरनेट का सहयोग लिया गया है | परिणाम हेतु सांख्यिकीय उपकरण प्रतिशतता का प्रयोग किया गया है|

जागरूकता: अपने हितों के बारे में जाग्रत या चैतन्य होना ही जागरूकता कहलाता है |

जानकारी: "बेब्स्टर" के अनुसार- "ज्ञान वह है जो ज्ञात है और ज्ञात होने के बाद भी संचित रहता है|"

अभ्यास: किसी कार्य को और अधिक बेहतर बनाने के लिए कार्य को बार-बार किया जाना ही अभ्यास है |

परिणाम

तालिका 2: प्रतिभागी महिलाओं में गर्भावस्था के टीकाकरण के बारे में जागरूकता-

क्र०सं०	जागरूकता के बिंदु	जागरूक हैं	जागरूक नहीं	कुल
1.	टीकाकरण का आशय	107(71.33)	43(28.67)	150(100)
2.	टीकाकरण के महत्त्व	97(64.66)	53(35.34)	150(100)
3.	गर्भावस्था में कौन कौन से टीकों लगाये जाते है	113(75.33)	37(24.67)	150(100)
4.	टीकाकरण की अवधि	90(60.00)	60(40.00)	150(100)

(कोष्ठक में दिए गये आंकड़े प्रतिशत में हैं)

परिणाम विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका से ज्ञात होता है कि 71.33% महिलाएं टीकाकरण के बारे में जागरूक थीं, जबकि 28.67% महिलाएं टीकाकरण के बारे में जागरूक नहीं थीं | 64.66% महिलाएं टीकाकरण के महत्त्व के प्रति जागरूक पाई गयीं वहीँ 35.34% महिलाएं जागरूक नही पाई गयीं | गर्भावस्था में कौन कौन से टीके लगाये जाते है, इसके प्रति अधिकतम 75.33% महिलाएं जागरूकता पाई गयी जबकि 24.67% महिलाये जागरूक नही थीं | टीकाकरण की अवधि के बारे में 60% महिलाये ही जागरूक थीं जबकि 40% तक महिलाएं जागरूक नही थीं | अतः टीकाकरण के महत्त्व एवं अवधि के बारे में जागरूकता में वृद्धि करनी चाहिए |

तालिका 3: चयनित महिलाओं में गर्भावस्था के टीकाकरण की जानकारी-

क्र०सं०	जानकारी के बिंदु	सही जानकारी	गलत जानकारी	बिलकुल भी जानकारी नही	कुल
1.	गर्भावस्था में टीकाकरण कराया जाता है की जानकारी	137(91.33)	8(5.33)	5(3.33)	150(100)
2.	टी.टी.-1 टीका लगाने के विशेष समय की जानकारी	96(64)	34(22.66)	20(13.34)	150(100)
3.	टी.टी.-2 टीका लगाने के विशेष समय की जानकारी	88(58.66)	41(27.33)	21(14)	150(100)
4.	बूस्टर खुराक की जानकारी	71(47.33)	52(34.67)	27(18)	150(100)

(कोष्ठक में दिए गये आंकड़े प्रतिशत में है)

परिणाम विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका से ज्ञात होता है कि गर्भावस्था में टीकाकरण कराया जाता है की जानकारी अधिकतर 91.33% महिलाओं में पाई गयी जबकि 5.33% महिलाओं को ही गलत जानकारी थी और केवल 3.33% महिलाओं को ही टीकाकरण के बारे में बिलकुल भी जानकारी नही थी | टी.टी.-1 टीका लगाने के विशेष समय की जानकारी 64% महिलाओं को थी और 22.66% महिलाओं को गलत जानकारी थी जबकि 13.34% महिलाओं को बिलकुल भी जानकारी नही थी | टी.टी.-2 टीका लगाने के विशेष समय की जानकारी 58.66% महिलाओं में पाई गयी जबकि 27.33% महिलाओं को गलत जानकारी थी वहीँ 14% महिलाओं को इस सम्बन्ध में बिलकुल भी जानकारी नहीं थी | 47.33% महिलाओं को ही बूस्टर खुराक की जानकारी थी जबकि 34.67% महिलाओं को इसके बारे में गलत जानकारी थी और 18% महिलाओं को बूस्टर खुराक की बिलकुल भी जानकारी नही थी | चयनित महिलाओं में टीका लगाने की विशेष अवधि और बूस्टर खुराक की जानकारी की बहुत कमी पाई गयी |

तालिका 4: चयनित महिलाओं में टीकाकरण का अभ्यास स्तर-

क्र०सं०	टीकाकरण का अभ्यास स्तर	हाँ	नहीं	कुल
1.	रजिस्ट्रेशन कराया है	90 (60)	60 (40)	150(100)
2.	गर्भावस्था में टीकाकरण कराया है	143(95.33)	7(4.67)	150(100)
3.	टी.टी.-1 का टीका सही समय पर लगवाया है	67(44.66)	83(55.34)	150(100)
4.	टी.टी.-2 का टीका सही समय पर लगवाया है	66(44)	84(56)	150(100)

(कोष्ठक में दिए गये आंकड़े प्रतिशत में हैं)

परिणाम विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका से ज्ञात होता है कि 60% महिलाओं ने ही रजिस्ट्रेशन कराया था तथा 40% महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था | 95.33% महिलाओं ने टीकाकरण कराया था जबकि केवल 4.67% महिलाओं ने टीकाकरण नही कराया था | कुल महिलाओं में से केवल 44.66% महिलाओं ने ही टी.टी.-1 का टीका सही समय पर लगवाया था किन्तु 55.34% महिलाओं ने सही समय पर टीका नही लगवाया | इसी तरह टी.टी.-2 का टीका भी केवल 44% महिलाओं ने ही सही समय पर लगवाया था वहीं 56% महिलाओं ने सही समय पर टीका नही लगवाया था | इसलिए महिलाओं को सही समय पर टीकाकरण करवाने का तथा शतप्रतिशत रजिस्ट्रेशन के अभ्यास स्तर में वृद्धि करनी चाहिए |

निष्कर्ष

वैश्विक टीकाकरण सूची में टी.टी. के टीके तथा अन्य टीके भी शामिल है | ये टीके हमारे देश में जिला अस्पताल, पी.एच.सी. कैम्पों में, और ए.एनम के द्वारा बिलकुल निशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं | प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि अधिकतर महिलाये गर्भावस्था में टीकाकरण के प्रति जागरूक है किन्तु उसके महत्त्व एवं अवधि के प्रति अधिक जागरूक नही है | गर्भावस्था के टीकाकरण की जानकारी का उच्च स्तर है किन्तु टी.टी. के टीके लगवाने के विशेष समय की जानकारी एवं बूस्टर खुराक के विषय में कम जानकारी है | अधिकतर महिलाएं गर्भावस्था में टीकाकरण कराती हैं क | न करने वाली महिलाओं की संख्या बहुत ही कम है | महिलाओं में टीकाकरण के सही समय पर लगवाने का अभ्यास स्तर काफी कम है | अतः हम कह सकते है कि गर्भावस्था में टीकाकरण के लिए महिलाओं में शतप्रतिशत रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित किया जाये | तथा टीकाकरण के महत्त्व एवं टीके लगवाने के सही समय के प्रति महिलाओं को जानकारी देने व् जागरूक किया जाये | जिससे गर्भवती महिलायों में शत प्रतिशत टीकाकरण संभव हो सके |

सुझाव

1. विभिन्न टीकाकरण योजनाओं से प्राप्त लाभों के स्तर का अध्ययन किया जा सकता है |
2. टीकाकरण के प्रति जागरूकता के लिए परिवार के प्रकार, आय, शिक्षा आदि चरों पर भी अध्ययन किया जा सकता है |
3. बच्चों के टीकाकरण के बारे में महिलाओं में जागरूकता, जानकारी एवं अभ्यास स्तर पर अध्ययन किया जा सकता है |

सन्दर्भ

1. Essien. “Awareness regarding immunization” journal of family health welfare. 2006; 20:6-8.
2. http://www.who.int/topics/immunization /en
3. दैनिक भास्कर न्यूज़ नेटवर्क (8 मई 2017)
4. वालेंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इण्डिया/जेवियर सेवा संस्थान रांची |
5. www.myupchar .com- “गर्भावस्था में टीकाकरण क्यों जरुरी होता है |”